छत्तीसगढ़

रायपुर, 24 मई 2017, बुधवार www.dailychhattisgarh.com वर्ष-10 अंक-92 12+8=20 दाम- 3 रुपये आरएनआई रजि. क्रं. CHHHIN/2008/24127 डाक पंजीयन क्र. छग /रायपुर संभाग /40 /2015-2017 ज्येष्ठ बदी १३/१४ सं. २०७४

हाईकोर्ट का आदेश सीबीएसई 10-12वीं में ग्रेस मार्क्स बंद नहीं

नई दिल्ली, 24 मई (एनडीटीवी)। इस साल 10वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षा दे चुके छात्रों को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) को मुश्किल प्रश्नों के लिए ग्रेस मार्क्स देने संबंधी अपनी मॉडरेशन पॉलिसी सत्र 2016-17 के लिए जारी रखने का अंतरिम आदेश दिया है। इस पॉलिसी को खत्म करने के लिए हाल ही में सीबीएसई ने नोटिफिकेशन जारी किया था जिसे कुछ अभिभावकों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

आज रिजल्ट नहीं निकला

अनुमान है कि इस फैसले से इस साल परीक्षा देने वाले 12वीं कक्षा के करीब 11 लाख छात्रों व 10वीं कक्षा के 9 लाख छात्रों को लाभ मिलेगा। एक्टिंग मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल व जस्टिस प्रतिभा एम सिंह की बेंच ने कहा कि जब इस साल 12वीं कक्षा के लिए छात्र परीक्षा दे चुके हैं तो ऐसे में यह पॉलिसी बदली नहीं जा सकती।

सीबीएसई इस पॉलिसी को फिलहाल उन छात्रों के लिए जारी रखे जो इस वर्ष एग्जामिनेशन फार्म जमा कर चुके हैं। जब परीक्षा फार्भ भरे जाते हैं तो सभी को पता होता है कि इसके नियम क्या हैं। जब खेल शुरू हो चुका हो तो नियम बदले नहीं जा सकते। बेंच ने कहा कि छात्रों को असुरक्षा की भावना पैदा न कीजिए।

अदालत अभिभावकों व कुछ वकीलों द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है। याचिका में कहा गया है कि सीबीएसई ने ग्रेस मार्क्स देने संबंधी अपनी मॉडरेशन पॉलिसी को खत्म करने का फैसला लिया है। यह गलत है और इससे 12वीं कक्षा के उन छात्रों पर खास तौर पर असर पड़ेगा जिन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय या विदेशों में दाखिले के लिए आवेदन किया है। याची का तर्क था कि केरल, आंध्रप्रदेश, छत्तीसगढ़ आदि कुछ राज्यों ने नई नीति को अगले शैक्षणिक सत्र 2017-18 सत्र से लागू करने का फैसला लिया है। ऐसे में इस पर रोक लगाई जाए। याचिका के अनुसार सीबीएसई ने इस वर्ष 12वीं की परीक्षा के बाद नई नीति बनाई है। जिसमें ग्रेस मार्क्स न देने की बात कही गई है। इस नीति से 12वीं कक्षा के छात्रों के अंक कम हो जाएंगे। उन्हें कॉलेज में दाखिला लेने में दिक्कत होगी।

22 मई को अदालत ने मॉडरेशन पालिसी खत्म करने पर सीबीएसई के प्रति नाराजगी जताई थी। पॉलिसी खत्म करने को लापरवाहपूर्ण व अन्यायपूर्ण फैसला कहा था। अदालत ने कहा था कि सीबीएसई क्यों नहीं अपनी नई नीति का अगले शैक्षणिक सत्र 2017-18 में लागू करती। अब कुछ दिनों में ही 12 कक्षा के नतीजे आने वाले हैं।

यूपी में कई बड़े अफसरों पर आयकर छापे

लखनऊ, 24 मई (लाइव हिन्दुस्तान)। यूपी में आज सुबह-सुबह कई बड़े अफसरों के घरों पर छापेमारी हुई। लखनऊ, नोएडा, गाजियाबाद समेत 15 जगहों पर इनकम टैक्स की छापेमारी हुई। ये छापेमारी आईपीएस, आईएस और डीएम के घरों पर हुई है। आईटी टीम कई जगहों पर छापेमारी कर रही है।

खबर है कि दो आईएएस अफसर सत्येंद्र सिंह और हृदय नारायण तिवारी के घर छापे मारे गए हैं। हृदय नारायण तिवारी स्वास्थ्य विभाग में निदेशक हैं और सत्येंद्र सिंह कारागार में विशेष सचिव हैं। मेरठ, गाजियाबाद, बागपत, दिल्ली, नोएडा, इन शहरों में छापेमारी जारी है। पूर्व डीएम विमल शर्मा जो अभी वर्तमान में नोएडा ऑथोरिटी के अतिरिक्त सीईओ हैं। मेरठ में आरटीओ ममता शर्मा के यहां छापेमारी। हरिनाथ तिवारी के घर छापेमारी हुई।

चार जनपदों के आयकर विभाग की टीमों ने भोगांव के छोटा बाजार स्थित वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डा. विमल कुमार शर्मा के पैतृक घर पर छापा मारा। विभाग की टीमों ने डा. विमल कुमार शर्मा के विभिन्न जनपदों में स्थित सभी ठिकानों पर भी एक साथ छापामार कार्रवाई की है।

बुधवार की सुबह करीब 8 बजकर 25 मिनट पर गाजियाबाद, एटा, आगरा और मैनपुरी की आयकर विभाग की टीमों के लगभग 24 अधिकारियों ने संयुक्त रूप से आईएएस विमल कुमार शर्मा के घर पहुंचकर छापा मारा। जिस समय ये अधिकारी पहुंचे

(बाकी पेज 5 पर)

पप्पू भाटिया पर आईटी छापे

रायपुर-नांदगांव की कई जगहों पर...

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर/राजनांदगांव, 24 मई। राज्य क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष और शराब कारोबारी बलदेव सिंह (पप्पू) भाटिया के यहां आयकर अफसरों ने दबिश दी। उनके रायपुर, राजनांदगांव, दुर्ग और अन्य शहरों के दर्जनभर प्रतिष्ठानों में जांच-पड़ताल चल रही है।

भाटिया शराब के अलावा होटल-रियल इस्टेट और अन्य कारोबार से भी जुड़े हैं। उनका बीयर फैक्ट्री भी है। बुधवार को आयकर अफसरों की टीम ने सिविल लाईन स्थित घर और दफ्तर में तड़के जांच-पड़ताल शुरू की। उनके दफ्तर सोना हाऊस में दो दर्जन से अधिक आयकर अधिकारी कर्मचारी जांच में लगे हुए हैं।

रायपुर में ही चार जगह वीआईपी रोड, राजातालाब, कटोरा तालाब और सिविल लाईन स्थित प्रतिष्ठानों में जांच-पड़ताल चल रही है। सूत्र बताते हैं कि भाटिया का भोपाल और दिल्ली में भी दफ्तर है। यहां भी जांच-पड़ताल चल रही है। इस पूरी कार्रवाई में नागपुर, भोपाल के आयकर अफसर भी लगे हैं। भाटिया की गिनती प्रभावशाली लोगों में होती है। राजनेताओं और नौकरशाहों से उनके करीबी संबंध हैं। इसके चलते छापेमारी से हड़कंप मचा है। भाटिया प्रदेश से बाहर हैं।

हमारे राजनांदगांव संवाददाता के मुताबिक भाटिया के पुराने बस स्टैण्ड स्थित घर और दफ्तर में भी छापेमारी की गई। भाटिया मूलत: राजनांदगांव के रहवासी हैं और उनका परिवार बरसो से शराब कारोबार से जुड़ा है। आयकर की टीम ने महिला-पुरूष आरक्षको को बाहर तैनात कर दिया। छापामार कार्रवाई की खबर के बाद स्थानीय व्यापारी सकते में है। हालांकि छापे को लेकर अभी तक अधिकारिक रूप से ब्यौरा नही मिला है। टीम अब भी श्री भाटिया के आवास और व्यापारिक प्रतिष्ठानो में गहन जांच कर रही है।

बच्चों की नक्सल भर्ती में झारखंड को एनएचआरसी नोटिस जारी

नई दिल्ली, 24 मई (भाषा)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने झारखंड में माओवादियों द्वारा बच्चों के कथित अपहरण और भर्ती को लेकर बुधवार को राज्य सरकार को एक नोटिस जारी किया। मीडिया में आई खबर का जिक्र करते हुए आयोग ने दो हफ्तों में राज्य सरकार से एक रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने बयान में कहा कि इन बच्चों को शिक्षा का अधिकार सहित उनके मौलिक अधिकार से वंचित किया गया है। आलेख में उठाया गया यह मुद्दा बच्चों के मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है।

7वां वेतन आयोग

सरकारी कर्मचारियों को मिल सकती है खुशखबरी, सिफारिशों पर आज फैसला संभव

नई दिल्ली, 24 मई (लाइव हिन्दुस्तान)। मोदी सरकार जल्द ही 47 लाख केंद्रीय कर्मचारियों को खुशखबरी दे सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सचिवों की एक उच्च स्तरीय समिति आज केंद्रीय कर्मचारियों के भत्ते को लेकर बैठक कर सकती है, जिसमें वित्त सचिव अशोक लवासा की अगुवाई वाली समिति की सिफारिशों पर चर्चा होनी है।

समिति की इस बैठक में कैबिनेट सचिव पीके सिन्हा समेत गृह मंत्रालय, कार्मिक और प्रशिक्षण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, रेलवे के अधिकारी शामिल हो सकते हैं।

लवासा समिति ने 27 अप्रैल को वित्त मंत्री अरुण जेटली को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी।

PIXTOON छायाव्यंग्य

https://www.facebook.com/DailyChhattisgarh

डॉक्टरों ने अभी बच्चों के आसपास की आवाज का असर देखने के लिए नींद में उनकी फोटोग्राफी की। संगीत सुनते हुए बच्चा मजे में था, और भारतीय टीवी पर चलती बहस का असर ऐसा था

पुलिस और सेना के साथ मिलकर एक फर्जी मुठभेड़ की-सीआरपीएफ आईजी

नई दिल्ली, 24 मई (इंडियन एक्सप्रेस)। पूर्वोत्तर में सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच फर्जी मुठभेड़ों के आरोप अक्सर ही सामने आते रहते हैं। अब यह आरोप सीआरपीएफ (केंद्रीय आरक्षित पुलिस बल) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने ही लगाया है। पूर्वोत्तर में पदस्थ सीआरपीएफ के एक आईजी (पुलिस महानिरीक्षक) ने अपनी एक रिपोर्ट में असम में उग्रवादियों के साथ हुई एक हालिया मुठभेड़ को फर्जी बताया है।

खबर के मुताबिक शिलॉन्ग में बतौर आईजी पदस्थ गुजरात कैडर के आईपीएस रजनीश राय ने सीआरपीएफ मुख्यालय को एक पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने बताया है कि बीती 30 मार्च को असम के चिरांग जिले में एनडीएफबी-एस (नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड-सोंगबिजित गुट) के दो संदिग्ध सदस्यों के साथ हुई मुठभेड़ फर्जी थी। सेना, असम पुलिस, सीआरपीएफ और एसएसबी (सशस्त्र सीमा बल) के संयुक्त अभियान में इन दो लोगों को मार गिराया गया था। लेकिन राय के पत्र में लिखा है, इन दोनों लोगों को पहले सुरक्षा बलों ने डी-कालिंग गांव से उठाया था। बाद में इन्हें सिमलागुड़ी गांव के पास ले जाकर गोली मार दी गई।

राय ने इस मुठभेड़ की जांच की मांग करते हुए पत्र में यह भी बताया है कि दोनों युवकों के पास हथियार भी सुरक्षा बलों के जवानों ने ही रखे थे। मारे गए दोनों लोगों की पहचान-ल्यूकस नरजारी उर्फ एन। लांग्फा और डेविड इसलारी उर्फ डेयुड के रूप में हुई थी।

(बाकी पेज 5 पर)

सीआरपीएफ के पूर्व आईजी को कनाडा से वीजा न मिलने पर भारत की कड़ी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, 24 मई (भाषा)। सीआरपीएफ के एक सेवानिवृत्त महानिरीक्षक को कनाडा में प्रवेश करने से रोक दिया गया। वहां हवाईअड्डे के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने एक ऐसे संगठन में सेवा दी है जो कथित रूप से आतंकवाद एवं मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन में शामिल हैं। इस पर, भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

टीएस ढिल्लन गत 18 मई को अपनी पत्नी के साथ कनाडा के एक हवाईअड्डे पर उतरे और उन्हें 20 मई को भारत की एक उड़ान में वापस भेज दिया गया। हालांकि उनकी पत्नी को कनाडा में उनके गंतव्य पर जाने दिया गया।

ढिल्लन ने कहा कि मैं एक पारिवारिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए गत 18 मई को अपनी पत्नी के साथ कनाडा के हवाईअड्डे पर उतरा, लेकिन हवाईअड्डे पर तैनात कनाडा की सीमा एजेंसी ने मुझे देश में प्रवेश नहीं करने दिया। उन्होंने कहा कि मैंने उन्हें बताया कि मैं भारतीय पुलिस, सीआरपीएफ का एक सेवानिवृत्त भारतीय अधिकारी हूं, लेकिन उन्होंने मेरी एक सुनी नहीं और मुझसे बहुत ही बुरी तरीके से बात की। उन्होंने मुझे कहा कि मेरा बल मानवाधिकार उल्लंघनों में संलिप्त है।

(बाकी पेज 5 पर)

खुदकुशी को निकली, रास्ते में हुआ प्यार, मंदिर में शादी

नई दिल्ली, 24 मई (एनडीटीवी)। ऐसा कई फिल्मों देखा गया है। लेकिन असल जिंदगी में पहली बार देखने को मिला है। बिहार के नवादा जिले के गांव शाहपुर की रहने वाली पिंकी ससुरालवालों के अत्याचार से तंग आ चुकी थी। पिंकी की शादी गया जिले के गांव रैसिर में हुई थी। उसका कहना था कि उसके साथ में ससुराल में मारपीट की जाती थी और वह लोग उसे पागल करार देना चाहते थे। रोज-रोज की प्रताड़ना से तंग आकर उसने आत्महत्या करने का फैसला कर लिया। वह खुदकुशी के लिए घर से निकल पड़ी। पिंकी ने ट्रेन से कटकर जान देने का इरादा कर लिया था।

लेकिन मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रास्ते में उसकी मुलाकात पास के ही गांव बकड़झोली के रहने अखिलेश मांझी से हो गई। अखिलेश ने बातों-बातों में जान लिया था कि पिंकी कुछ गलत करने जा रही है। इसके बाद अखिलेश ने पिंकी को खूब समझाया और उसे अपने घर ले आया। इधर पिंकी के ससुराल और मायकेवालों ने उसके गायब होने की सूचना अपने-अपने इलाके के थाने में दर्ज करवा दिया।

कुछ दिनों बाद पता चला कि पिंकी बकड़झोली में किसी के साथ रहती है। जब परिजन उसे लेने पहुंचे तो पता लगा कि पिंकी ने अखिलेश से शादी कर ली है। इतना ही नहीं अखिलेश के पिता और पूरे परिवार ने पिंकी को बहू के तौर पर स्वीकार कर लिया था।

गांववालों ने बताया कि अखिलेश और पिंकी ने दूसरे दिन ही गांव के

(बाकी पेज 5 पर)

श्रद्धालुओं को ले जा रही बस भागीरथी नदी में गिरी, 21 मौतें

उत्तरकाशी (उत्तराखंड), 24 मई (एनडीटीवी)। गंगोत्री धाम से लौटते समय यहां नलुपानी के पास भागीरथी नदी में मंगलवार शाम एक बस के गिरने पर मध्यप्रदेश के रहने वाले कम से कम 21 श्रद्धालुओं की मौत हो गई।

जिलाधीश आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि यह दुर्घटना शाम करीब छह बजे हुई जब बस सड़क से 300 मीटर नीचे नदी में गिर गई। उन्होंने बताया कि मौके से अब तक 20 शव बरामद किए गए हैं। वहीं, सात घायलों में एक की अस्पताल में मौत हो गई। वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में एसडीआरएफ, आईटीबीपी और पुलिसकर्मियों द्वारा बचाव कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के वक्त बस में करीब 29 श्रद्धालु सवार थे, जिनमें ज्यादातर इंदौर से थे।मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मृतकों के निकट परिजन को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

शीना हत्या जांचते पुलिस की पत्नी की हत्या, बेटा गायब

मुंबई, 24 मई (आज तक)। शीना मर्डर मिस्ट्री की जांच कर रहे मुंबई पुलिस के एक इंस्पेक्टर की पत्नी की आज सुबह बेरहमी से हत्या कर दी गई। उनका बेटा और परिवार का एक सदस्य वारदात के बाद से लापता हैं। उनका मोबाइल फोन स्वीच ऑफ जा रहा है। वारदात की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले की जांच की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, मुंबई के सांताक्रूज वेस्ट इलाके में रहने वाले पुलिस इंस्पेक्टर गणेश्वर गानार की पत्नी का उनके ही घर में शव बरामद हुआ है। उनकी बेरहमी से हत्या की गई है। वारदात के बाद घर से उनका बेटा गायब है। उनके परिवार के एक सदस्य का भी पता नहीं चल रहा है। उसका मोबाइल स्वीच ऑफ है। वारदात में पहचान वाले का हाथ हो सकता है।

बताया जा रहा है कि मुंबई पुलिस के तेज तर्रार इंस्पेक्टर गणेश्वर गानार चर्चित शीना मर्डर मिस्ट्री की जांच कर रहे थे। वह मुंबई के खार पुलिस स्टेशन पर तैनात थे, जहां इस केस को दर्ज कराया गया है। इनकी जांच के आधार पर ही मर्डर मिस्ट्री की मुख्य आरोपी इंद्राणी मुखर्जी को गिरफ्तार करके जेल भेज गया है। वारदात के बाद गणेश्वर पूरी तरह स्तब्ध हैं।

मुंबई के शीना बोरा मर्डर केस में पूर्व मीडिया दिग्गज पीटर मुखर्जी और उनकी पत्नी इंद्राणी मुखर्जी जेल में बंद हैं। **(बाकी पेज 5 पर)**

तेजाबी हमला, 17 सर्जरी के बाद शादी

दूल्हे ने कहा-रॉंग नंबर ने बदल दी दुनिया

नई दिल्ली, 24 मई (एएनआई)। विवाह आमतौर पर एक खूबसूरत फैसला होता है। मगर, यह तब प्रेरणादायक बन पड़ता है जब शादी जैसी एक निजी रस्म समाज को संदेश देने का काम भी करे। शादी के मौके पर दूल्हे राहुल कुमार ने अपनी पत्नी की तारीफ करते हुए कहा कि उनका दिल सच्चा है और यही मायने रखता है। दोनों की प्रेम कहानी किसी बॉलीवुडीय कहानी से कम नहीं है!

ललिता बेनबांसी और राहुल की शादी इसलिए खास है क्योंकि ललिता एसिड अटैक सरवाइवर हैं, एसिड अटैक झेल चुकी हैं, 26 साल की ललिता यूपी के आजमगढ़ से हैं और उनके पति राहुल का कहना है कि बस एक रॉन्ग नंबर ने मेरी दुनिया बदल दी। मैं नहीं जानता था कि एक रॉन्ग नंबर मेरी जिन्दगी बदल देगा।

2012 में ललिता के कजन्स ने निजी खुन्नस के चलते उन पर एसिड फेंका था। ललिता का पूरा चेहरा जल गया, 17 सर्जरी झेलनी पड़ीं। ट्रीटमेंट हालांकि अभी भी पूरा नहीं हुआ है। **(बाकी पेज 5 पर)**